

**Attack on Hindu Temples in Malaysia**

+

\*66. SHRI SHYAM SUNDAR GUPTA:  
SHRI CHIMAN BHAI  
SHUKLA :

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether Government have seen press report in the 'Hindustan Times' of the 31st May, 1979 wherein it has been stated that Hindu temples in Malaysia are under constant attack by fanatic groups in that country ;

(b) if so, whether any protest has been lodged by the Government of India ; and

(c) what steps have been taken for the safety of sacred deities ?

विदेश मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) :

(क) जी हाँ ।

(ख) और (ग). मलेशिया की सरकार के साथ अपने घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों के परिप्रेक्ष्य में राजनयिक सूत्रों के माध्यम से इस प्रश्न पर विचार-विनियम किया गया है। मलेशिया की सरकार ने हमें यह बताया है कि इस दिशा में उसने क्या-क्या कदम उठाए हैं। मलेशिया की सरकार और वहाँ की जनता गुण्डागर्दी के इन क्रूरों को जितना गम्भीर मानती है उसे हम सराहते हैं और हमें यह पूरा विश्वास है कि वह इस बात के लिए पर्याप्त कार्यवाही करेगी कि ऐसी दुर्घटनाएँ फिर न हों।

श्री चिमन भाई एच० शुक्ल : अध्यक्ष महोदय, हिन्दुस्तान जब गुलाम था तब ऐसी बातें हों तो समझ में आ सकता है। कोई देश हिन्दुस्तान से होस्टाइल हो तब भी समझ में आ सकता है। लेकिन मलेशिया जिस से भारत का इतना अच्छा सम्बन्ध है वहाँ ऐसी घटना घटती है तो लोगों में एक चिन्ता होना बहुत स्वाभाविक है। मैं मंत्री जी से यह जाना चाहूँगा कि कितने मन्दिरों पर हमले हुए और हमले से मन्दिर की क्या क्या दुर्दशा हुई ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, अभी तक चार घटनाएँ हुई हैं जिन में पांच मंदिरों पर हमले हुए हैं। हमलों का रूप मूर्तियों को तोड़ने का है। तोड़ने वाले रात के अन्धेरे में चोरी छिपे आते हैं, तोड़ कर भागने की कोशिश करते हैं। एक मामले में मंदिर के रक्षक के साथ उन का संघर्ष भी हुआ था। वह मामला अदालत में है। मलेशिया के प्रधान मंत्री ने सार्वजनिक रूप से इन कार्यवाहियों की निन्दा की है। दोनों देश मिल कर ऐसी घटनाएँ न होने पाएँ, इस बात का प्रयत्न कर रहे हैं। लेकिन सदन जानता है कि हर देश में बड़े न

बड़े दीवाने रहा करते हैं। लेकिन उन दीवानों की वजह से न हमें अपने सम्बन्ध बिगड़ने देना चाहिए और न अपना दिमाग बिगड़ने देना चाहिए।

श्री चिमन भाई एच० शुक्ल : पांच मंदिरों में से कितने मंदिरों में पुनर्प्रतिष्ठा हुई है और यह पुनर्प्रतिष्ठा करने में वहाँ की सरकार ने क्या सहयोग दिया है ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, मलेशिया में अनेक धार्मिक संगठन सक्रिय हैं और वह मलेशिया की सरकार से सीधा सम्बन्ध स्थापित किए हुए हैं। अभी तक हमारी ओर से वहाँ मन्दिरों या मूर्तियों के पुनर्निर्माण में कोई सहायता नहीं मांगी गई है। अगर ऐसी सहायता मांगी गई तो उस पर विचार किया जा सकता है। पहला काम तो इस तरह के विध्वंस को रोकना है क्योंकि इस तरह की घटनाएँ यहाँ के जनमानस में उत्तेजना पैदा करती हैं और उस दिशा में हम प्रयत्नशील हैं।

SHRI SHAMBHU NATH CHATURVEDI : Has any prosecution been launched in these cases ? Press reports also say that Indian nationals are being discriminated against in the matter of trade & employment. Is it true ?

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE : I would like to reply to the second part of the question first. We have not received any reports suggesting that there is any discrimination on the basis of race, citizenship or creed in Malaysia. But in one case, which I referred to earlier, one person was arrested and he is being tried in a court.

डा० कर्ण सिंह : अध्यक्ष महोदय, जहाँ इन दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं की निन्दा मलेशिया की सरकार और लोगों ने की है वहाँ मैं एक प्रश्न मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूँ कि यदि, जो मूर्तियाँ टूटी हैं उनकी पुनर्स्थापना के लिए नयी मूर्तियों की आवश्यकता हो तो भारत सरकार शायद न भेज सके लेकिन हमारे देश में बड़े बड़े ट्रस्ट हैं जैसे तिरुपति देवस्थानम् है, धर्माथं ट्रस्ट इत्यादि हैं उन से यदि कहा जाए तो मुझे विश्वास है कि सहर्ष नयी मूर्तियाँ यहाँ से भेजी जा सकती हैं, मलेशिया और भारत वर्ष दोनों देशों के लोगों के परस्पर हित में। यदि इस प्रकार की कोई योजना हो तो मंत्री जी बतायें। इस प्रकार की बात आसानी से हो सकती है। तो इसके विषय में मंत्री जी की क्या प्रतिक्रिया है ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : हम जानते हैं कि डा० कर्ण सिंह पुराने मंदिरों की रक्षा के लिए और नये मंदिरों के निर्माण के लिए कितने अच्छे काम कर रहे हैं। यदि उनकी सेवाओं की और सहायता की आवश्यकता हुई तो हम जरूर उनके पास पहुँचेंगे।